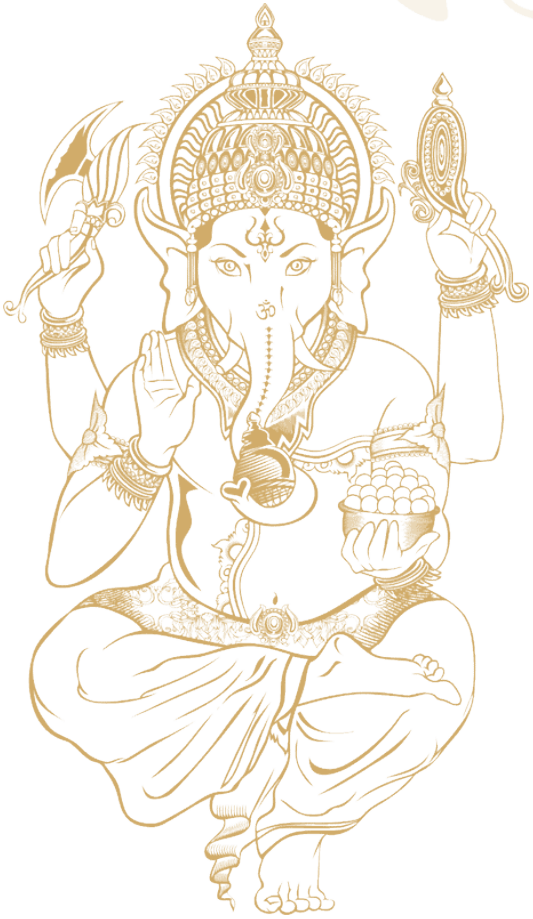

Rishikesh Pandey

25 Apr 2002

08:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121870606

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/04/2002**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**20:00:00 घंटे**
इष्ट	35:34:13 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:01:59 घंटे
साम्पातिक काल	09:52:36 घंटे
सूर्योदय	05:46:18 घंटे
सूर्यास्त	18:52:29 घंटे
दिनमान	13:06:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	11:19:15 मेष
लग्न के अंश	26:33:46 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	हर्षण
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ण--
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:33:46	306:59:58	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	11:19:15	00:58:24	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	उच्च राशि
चंद्र			कन्या	19:59:04	15:03:42	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	मित्र राशि
मंगल			वृष	14:10:51	00:40:33	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
बुध			मेष	29:20:56	01:36:13	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु			मिथु	16:12:40	00:08:57	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	05:56:27	01:13:05	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	स्वराशि
शनि			वृष	19:00:15	00:06:43	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	24:44:39	00:06:19	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	24:44:39	00:06:19	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	04:21:31	00:01:49	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप			मक	17:00:33	00:00:35	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:24:17	00:01:04	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			सिंह	02:00:39	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:04

लग्न-चलित

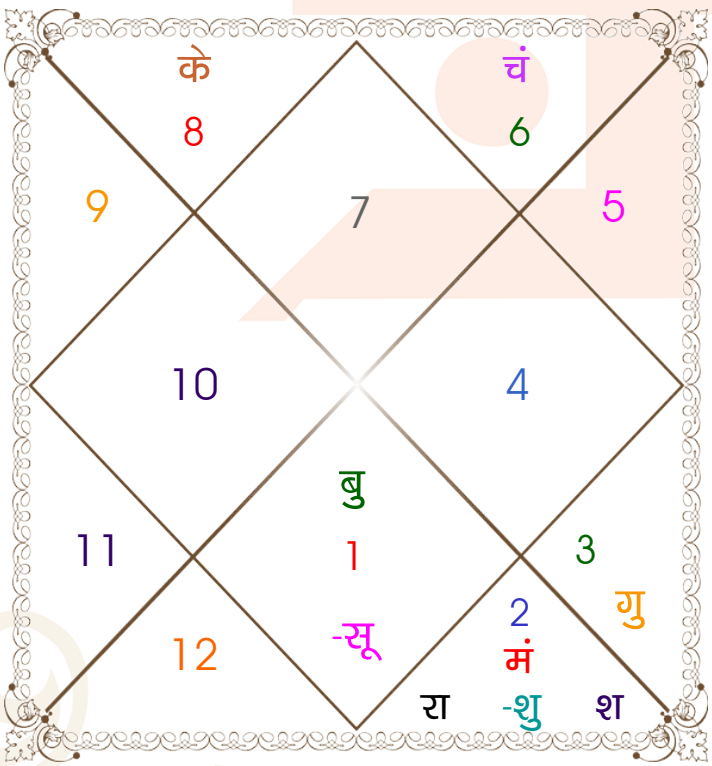

चन्द्र कुंडली

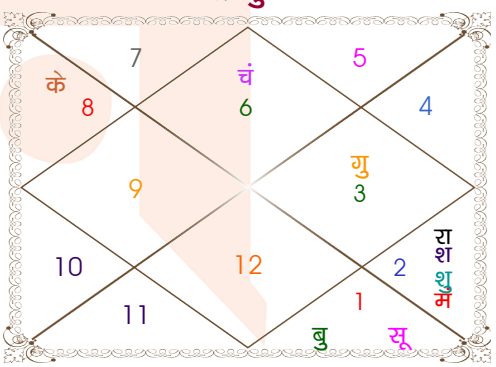

नवमांश कुंडली

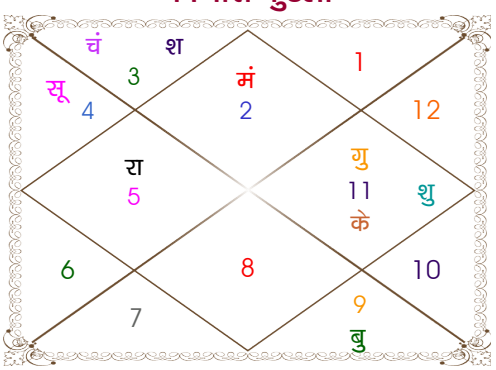

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 6 मास 4 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
25/04/2002		29/10/2004		29/10/2011		29/10/2029		29/10/2045	
29/10/2004		29/10/2011		29/10/2029		29/10/2045		29/10/2064	
	00/00/0000	मंगल	27/03/2005	राहु	12/07/2014	गुरु	17/12/2031	शनि	01/11/2048
	00/00/0000	राहु	14/04/2006	गुरु	04/12/2016	शनि	29/06/2034	बुध	12/07/2051
	00/00/0000	गुरु	21/03/2007	शनि	11/10/2019	बुध	04/10/2036	केतु	20/08/2052
	00/00/0000	शनि	29/04/2008	बुध	30/04/2022	केतु	10/09/2037	शुक्र	20/10/2055
	00/00/0000	बुध	26/04/2009	केतु	18/05/2023	शुक्र	11/05/2040	सूर्य	01/10/2056
	25/04/2002	केतु	22/09/2009	शुक्र	18/05/2026	सूर्य	27/02/2041	चंद्र	03/05/2058
केतु	29/08/2002	शुक्र	23/11/2010	सूर्य	12/04/2027	चंद्र	29/06/2042	मंगल	11/06/2059
शुक्र	29/04/2004	सूर्य	30/03/2011	चंद्र	10/10/2028	मंगल	05/06/2043	राहु	17/04/2062
सूर्य	29/10/2004	चंद्र	29/10/2011	मंगल	29/10/2029	राहु	29/10/2045	गुरु	29/10/2064

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
29/10/2064		29/10/2081		29/10/2088		30/10/2108		30/10/2114	
29/10/2081		29/10/2088		30/10/2108		30/10/2114		00/00/0000	
बुध	27/03/2067	केतु	27/03/2082	शुक्र	28/02/2092	सूर्य	16/02/2109	चंद्र	31/08/2115
केतु	24/03/2068	शुक्र	27/05/2083	सूर्य	27/02/2093	चंद्र	18/08/2109	मंगल	31/03/2116
शुक्र	22/01/2071	सूर्य	02/10/2083	चंद्र	29/10/2094	मंगल	24/12/2109	राहु	30/09/2117
सूर्य	29/11/2071	चंद्र	02/05/2084	मंगल	29/12/2095	राहु	17/11/2110	गुरु	30/01/2119
चंद्र	29/04/2073	मंगल	28/09/2084	राहु	29/12/2098	गुरु	06/09/2111	शनि	30/08/2120
मंगल	27/04/2074	राहु	17/10/2085	गुरु	30/08/2101	शनि	18/08/2112	बुध	29/01/2122
राहु	13/11/2076	गुरु	23/09/2086	शनि	30/10/2104	बुध	24/06/2113	केतु	26/04/2122
गुरु	19/02/2079	शनि	01/11/2087	बुध	31/08/2107	केतु	30/10/2113		00/00/0000
शनि	29/10/2081	बुध	29/10/2088	केतु	30/10/2108	शुक्र	30/10/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 6 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।